हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, पंथाघाटी, शिमलाद्वारा हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, पंथाघाटी, शिमला द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय-2), शिमला के तत्वावधान में सदस्य कार्यालयों के कर्मियों के लिए हिन्दी कार्यशाला का आयोजन दिनांक 12 जून 2018 को किया गया, जिसमें केंद्र सरकार कार्यालयों के लगभग 30 के कर्मियों ने भाग लिया।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के उप-अरण्यपाल तथा हिंदी अधिकारी, **श्री संजीव कुमार,** ने हिंदी कार्यशाला में भाग ले रहे सभी प्रतिभागियों का हार्दिक अभिनंदन तथा स्वागत किया। कार्यशाला के कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के आयोजन का मुख्य उद्देश्य नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय-2), शिमला के सदस्य कर्मियों को राजभाषा से सम्बंधित अधिनियम तथा नियमों को बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना है तथा सभी सरकारी कार्यालयों में राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन सुनिश्चित करवाना है। उन्होंने बताया कि आज के कार्यक्रम में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय-2), शिमला की सदस्य सचिव, श्रीमती मृदुला श्रीवास्तव तथा श्री राजेश डोगरा, प्रबंधक (हिंदी), राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक, शिमला मुख्य वक्ता के रूप में अपना व्याख्यान देंगे।

श्रीमती मृदुला श्रीवास्तव ने अपनी प्रस्तुति में राजभाषा हिंदी से सम्बंधित अधिनियम, नियमों तथा

राजभाषा विभाग, केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि सुबोध एवं आसान शब्दों का प्रयोग करने पर जोर देते हुए यह उदघाटित किया कि राजभाषा संबंधी आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने आगे चलकर भारत सरकार के राजभाषा नीति से जुड़े महत्वपूर्ण बातों को उजागर किया और दैनिक कामकाज में राजभाषा हिंदी का प्रचार और प्रसार करने में सभी से सहयोग की अपेक्षा की। अतिथि वक्ता ने अपने संबोधन में कहा कि राजभाषा में कार्य करना हमारा संवैधानिक दायित्व है तथा अपना अधिक से अधिक कार्य हिंदी भाषा के माध्यंम से करने पर जोर देते हुए ऐसे कार्यक्रमों की उपयोगिता पर बल दिया।

श्री राजेश डोगरा, प्रबंधक (हिंदी), राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक, शिमला ने मुख्य वक्ता के रूप में गूगल वोइस टंकण तथा गूगल हिंदी टूल के प्रयोग पर विशेष प्रस्तुति दी तथा कहा कि इससे हिंदी में कार्य करना और अधिक सहज हो गया है। माइक व हैडफ़ोन के उपयोग से गूगल वोइस टंकण के प्रयोग से हिंदी टंकण पर ज़ोर दिया।

श्री सत्य प्रकाश नेगी, अरण्यपाल एवं कार्यालयाध्यक्ष, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने राजभाषा के कार्यान्वयन पर अपने अनुभव साँझा करते हुए कहा कि वास्तव में एक विचारणीय विषय है कि सरकारी कार्यालयों में आज भी राजभाषा के कार्यान्वयन को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यशालों के आयोजन की आवश्यकता है विशेषकर ऐसी परिस्थिति में जब हम उत्तर भारतीयों की बोल-चाल का माध्यम हिंदी है। उन्होंने सभी उपस्थित कर्मियों से आग्रह किया कि सवैंधानिक कर्तव्यों का निर्वहन करना हम सभी सरकारी कर्मियों का कर्तव्य है इसलिए सरकारी कामकाज में राभाषा को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने हिंदी का प्रयोग गर्व से करने पर ज़ोर दिया।

अतिथि वक्तारओं ने **राजभाषा नीति, पत्राचार के विभिन्न रूपों जैसे कार्यालय टिप्पणी , परिपत्र, कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, पारिभाषिक शब्दावली एवं व्यावहारिक व्याकरणिक समस्याओं व उनका समाधान तथा राजभाषा नीति के प्रमुख बिन्दुओं पर चर्चा की । कार्यशाला बहुत ही उपयोगी एवं उदेश्यपूर्ण रही।**

कार्यक्रम के अंत में संस्थान के समूह समन्यवक अनुसन्धान, **डॉ. कुलराज सिंह कपूर** ने अपने संबोधन

में कहा कि राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/ विभागों पर है । उन्होंने श्रीमती मृदुला श्रीवास्तव, सदस्य सचिव, नगर राजभाषा कार्यन्वयन समिति (कार्यालय-2), शिमला को हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान को इस कार्यशाला के आयोजन हेतु सुअवसर प्रदान करने के लिए धन्यवाद किया तथा आश्वस्त किया कि संस्थान भविष्य में इस प्रकार को आयोजनों को सहर्ष स्वीकार करेगा। कार्यक्रम का समापन अतिथियों एवं प्रतिभागियों को धन्यावाद ज्ञापित कर किया गया ।

कार्यक्रम का संचालन हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के श्री **दिनेश धीमान** ने किया। इस दौरान उन्होंने राजभाषा के विभिन्न पहलुओं तथा इसके महत्त्व पर अपने विचार भी प्रकट किए।

कार्यशाला की झलकियाँ

एच.एफ.आर.आई. में हिन्दी पर कार्यशाला

शिमला, 13 जून (ब्यूरो): हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान पंथाघाटी द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यालय शिमला के तत्वावधान में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें केंद्र सरकार के लगभग 30 कार्यालयों के कर्मियों ने भाग लिया। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के उपअरण्यपाल तथा हिन्दी अधिकारी संजीव कुमार ने कहा कि कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य कर्मियों को राजभाषा से संबंधित अधिनियम के बारे में जानकारी देना है। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के अरण्यपाल सत्य प्रकाश नेगी ने कहा कि वास्तव में एक विचारणीय विषय है कि सरकारी कार्यालयों में आज भी राजभाषा के कार्यान्वयन को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यशालाओं के आयोजन की आवश्यकता है। कार्यक्रम के अंत में संस्थान के निदेशक डा. कुलराज सिंह कपूर ने कहा कि राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों पर है।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Thu, 14 June 2018
epaper.punjabkesari.in/c/29509116

राजभाषा हिंदी पर कार्यशाला सजा

■ दिव्य हिमाचल ब्यूरो, शिमला

हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान शिमला द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय-2), शिमला के तत्वावधान में सदस्य कार्यालयों के कर्मियों के लिए हिन्दी कार्यशाला आयोजित की। इस में केंद्र सरकार के लगभग 30 कार्यालयों के कर्मियों ने भाग लिया। इस अवसर पर नगर राजभाषा कार्यन्वयन समिति की सदस्य सचिव मृदुला श्रीवास्तव ने अपनी प्रस्तुति में राजभाषा हिंदी से संबंधित अधिनियम, नियमों तथा राजभाषा विभाग, केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

उन्होंने सुबोध एवं आसान शब्दों का प्रयोग करने पर जोर देते हुए यह उदघाटित किया कि राजभाषा संबंधी आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करें। कार्यक्रम के समापन अवसर पर संस्थान के निदेशक, डा. कुलराज सिंह कपूर ने कहा कि राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, विभागों पर है।

उन्होंने मृदुला श्रीवास्तव सदस्य सचिव, नगर राजभाषा कार्यन्वयन समिति (कार्यालय-2), शिमला को हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान को इस आयोजन के लिए धन्यवाद किया तथा आश्वस्त किया कि संस्थान भविष्य में इस प्रकार को आयोजनों को सहर्ष स्वीकार करेगा।

दिव्य हिमाचल
Thu, 14 June 2018
epaper.divyahimachal.com/c/29509473